No. of Printed pages: 04

Class-IX
Annual Term Examination 2024-25
Subject-Hindi
Marking Key & Solution
Set-A1/A2

प्र.सं. Set-A 1	प्र.सं Set-A 2	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक -80
1.	2.	अपठित गद्यांश **i)** (ख) स्वयं पर हमारा भरोसा कम हो जाता है **ii)** (क) दूसरों की सहानुभूति पाने के लिए **iii)** (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। **iv)** पढ़ाई में या काम के दौरान ऐसे कई अवसर आते हैं, जब आप ऊबावट और खिन्न महसूस करते हैं। न चाहते हुए भी कई बार दिन की शुरुआत अनचाही समस्याओं से होती है। ऐसे समय में खुद पर आपका भरोसा कम हो जाता है। **v)** परिस्थितियों का ठीक-ठाक मूल्यांकन करके आप आसानी से समाधान तक पहुँच सकते हैं। किसी भी समस्या का हल उसकी जड़ में होता है। यदि आप समस्या की जड़ तक पहुँच गए तो समाधान असंभव नहीं होगा।	1 1 1 **2** **2**	7
2.	1.	अपठित गद्यांश **i)** (ग) उदारता, सहनशीलता एवं महानता **ii)** (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं। **iii)** (ग) अवश्य **iv)** वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता।उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों का अनुभव करता है।उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और थोथे आत्मगौरव के काले आवरण में इस प्रकार छिपे रहते हैं कि जीवनपर्यंत उसे दिखाई नहीं देते। इसलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुणसंपन्न देवता समझ बैठता है। **v)** मनुष्य में इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को देखकर स्वयं कह सके। इसके विपरीत पर-निंदा में अपना कुछ नहीं बिगड़ता, उल्टे मनुष्य आनंद का अनुभव करता है। अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।	1 1 1 2 2	7
3.	4.	**i)** एक या एक से अधिक वर्णों के मेल से बनी हुई स्वतंत्र सार्थक इकाई शब्द कहलाती है।	1x2	2

		ii) शब्द तब तक शब्द ही रहता है जब तक उसका कोई विशेष संदर्भ या व्याकरणिक प्रयोग नहीं होता। जब शब्द को वाक्य में किसी संदर्भ के साथ प्रयुक्त किया जाता है और वह वाक्य के अर्थ को स्पष्ट करता है, तो वह पद कहलाता है। उदाहरण: शब्द - "राम, क्रिकेट, खेलता पद - राम क्रिकेट खेलता है। **iii)** पद		
4.	3.	**i) अनुस्वार-** स्वर के बाद आने वाले व्यंजन को अनुस्वार कहते है। अनुस्वार का शाब्दिक अर्थ है स्वर के बाद आने वाला। अनुस्वार की ध्वनि नाक से निकलती है। अनुस्वार पंचम वर्ण ङ, ञ, ण, न, म के स्थान पर प्रयोग में लाए जाते हैं। अनुस्वार को (.) चिह्न से प्रदर्शित करते है। अनुस्वार के उदाहरण - बिंदी, संत । **अनुनासिक-** अनुनासिक वे स्वर होते है जो मुँह से अधिक व नाक से कम निकलते है। अनुनासिक वे शब्द होते है जिनका स्वर के बिना उच्चारण नहीं हो सकता ।साधारण भाषा में चन्द्र बिंदी वाले शब्दों को अनुनासिक कहते है। अनुनासिक के उदाहरण - आँसू ,चाँद। **ii)** तुरंत **iii)** ऊँचाई	1x2	2
5.	7.	**i)** उपसर्ग - सु, मूल शब्द - पुत्री **ii)** उपस्थित **iii)** इक **iv)** छात्र अपने मतानुसार करेंगे। **v)** उपसर्ग - परि, मूल शब्द- चय	1x4	4
6.	5.	**i)** छात्र अपने मतानुसार करेंगे। **ii)** शास्त्रार्थ **iii)** अति+अंत **iv)** छात्र अपने मतानुसार करेंगे।	1x3	3
7.	6.	**i)** विस्मयादिबोधक चिह्न **ii)** लाल बहादुर शास्त्री जी ने नारा दिया था -" जय जवान, जय किसान।" **iii)** अर्द्धविराम चिह्न	1x2	2
8.	8.	**i)** संकेतवाचक वाक्य । **ii)** संदेहवाचक वाक्य **iii)** काश! पिताजी आज आ जाएँ। **iv)** तुम घूमने जाओ।	1x3	3
9.	11.	**i)** (ग) सन 1917 में **ii)** (ख) सरस्वती की साधना **iii)** (घ) इन सभी में **iv)** (क) समुद्र के नीले रंग की वजह क्या है? **v)** (ख) इक	1x5	5
10.	10.	**i)**दुख का अधिकार कहानी को पढ़कर ऐसा लगता है कि संभ्रांत व्यक्तियों का दुख ज्यादा भारी होता है। उन्हें दुख व्यक्त करने का अधिकार है। उनके दुख को देखकर आसपास के लोग भी दुखी ही नहीं होते हैं, बल्कि उनके प्रति सहानुभूति दर्शाते हैं। ठीक उसी प्रकार के दुख से जब कोई गरीब दुखी होता है तो लोग उसका उपहास ही नहीं उड़ाते है बल्कि उससे घृणा भी प्रकट करते हैं। वे तरह की बातें बनाकर उस पर कटाक्ष करते हैं, मानो गरीब को दुख मनाने का कोई अधिकार ही	2x3	6

		नहीं है। इस पाठ की पूरी कहानी इसी दुख के आसपास घूमती है अतः यह शीर्षक पूर्णतया सार्थक है। **ii)** 'तुम कब जाओगे,अतिथि' पाठ के लेखक का नाम शरद जोशी है| तीसरे दिन मेहमान का यह कहना कि वह धोबी से कपड़े धुलवाना चाहता है, एक अप्रत्याशित आघात था। यह फरमाइश एक ऐसी चोट के समान थी जिसकी लेखक ने आशा नहीं की थी। इस चोट का लेखक पर यह प्रभाव पड़ा कि वह अतिथि को राक्षस की तरह मानने लगा। उसके मन में अतिथि के प्रति सम्मान की बजाय बोरियत, बोझिलता और तिरस्कार की भावना आने लगी। वह चाहने लगा कि यह अतिथि इसी समय उसका घर छोड़कर चला जाए। **iii)** नजदीक से एवरेस्ट को देखने पर लेखिका भौंचक्की रह गई। उसे टेढ़ी-मेढ़ी चोटियाँ ऐसी लग रही थीं मानो कोई बरफ़ीली नदी बह रही हो।तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में कहा, "तुम पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो पहले ही प्रयास में शिखर पर पहुँच जाना चाहिए। **iv)** महादेव भाई गांधी जी के लिए पुत्र के समान थे। वे गांधी का हर काम करने में रुचि लेते थे। गांधी जी के साथ देश भ्रमण तथा विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते थे। वे गांधी जी की गतिविधियों पर टिप्पणी करते थे। महादेव जी की लिखावट बहुत सुंदर, स्पष्ट थी। वे इतना शुद्ध लिखते थे कि उसमें मात्रा और कॉमा की भी अशुधि नहीं होती थी। वे पत्रों का जवाब जितनी शिष्टता से देते थे, उतनी ही विनम्रता से लोगों से मिलते थे। वे विरोधियों के साथ भी उदार व्यवहार करते थे। उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें सभी का लाडला बना दिया।		
11.	9.	**i)** (ख) कीचड़ के जल को **ii)** (ग) क्योंकि उसे पीकर छोटे जीव-जन्तु तृप्त हो जाते हैं **iii)** (घ) क्योंकि उसके पास से संसार प्यासा लौट जाता है **iv)** (ग) नाद पर **v)** घ) (ख) जो प्रसन्न होने पर भी कुछ नहीं देता	1x5	5
12.	12.	**i)** पहले पद में भगवान् की तुलना चंदन से और भक्त की तुलना पानी से, भगवान् की तुलना बादल से और भक्त की तुलना मोर से, भगवान् की तुलना चाँद से और भक्त की तुलना चकोर से, भगवान् की तुलना मोती से और भक्त की तुलना धागा से, भगवान् की तुलना दीपक से और भक्त की तुलना बाती से और भगवान् की तुलना सोने से और भक्त की तुलना सुहागे से की गई है। **ii)** प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों का संबंध आदिकाल से रहा है। उनका यह संबंध आज भी घनिष्ठ है। एक ओर पशु-पक्षी अपने भोजन, आवाज एवं आश्रय के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं तो वहीं पशु-पक्षी प्रकृति का श्रृंगार बनकर उसका सौंदर्य बढ़ाते हैं। यदि जंगल में पशु-पक्षियों का कलरव न गूँजे तो कितनी चुप्पी-सी होगी। इसके अलावा पशु-पक्षी प्रकृति को साफ़-सुथरा बनाए रखने में भी अपना योगदान देते हैं। **iii)** कवि नए बसते इलाकों में रास्ता इसलिए भूल जाता है क्योंकि यहाँ नित नया निर्माण होता रहता है। नित नई घटनाएँ घटती रहती हैं। अपने ठिकाने पर जाने के लिए जो निशानियाँ बनाई गई होती हैं, वे जल्दी ही मिट जाती हैं। पीपल का पेड़ हो या ढहा हुआ मकान या खाली प्लाट, सबमें शीघ्र ही परिवर्तन हो जाता है। इसलिए वह प्रायः रास्ता भूल जाता है।	2x3	6

		iv) इस कविता का मूलभाव है-निरंतर संघर्ष करते हुए जियो। कवि जीवन को आग-भरा पथ मानता है। इसमें पग-पग पर चुनौतियाँ और कष्ट हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह इन चुनौतियों से न घबराए। न ही इनसे मुँह मोड़े। बल्कि वह आँसू पीकर, पसीना बहाकर तथा खून से लथपथ होकर भी निरंतर संघर्ष करता रहे।		
13.	13.	**i)** 'स्मृति' पाठ में लेखक को उसके भाई ने डाक में डालने की चिट्ठियाँ दी थीं। उसकी असावधानी के कारण ये चिट्ठियाँ उस कुएँ में गिर गईं, जिसमें विषधर बैठा था। उसके पास से चिट्ठियाँ उठाना शेर के जबड़े से माँस खींचने जैसा कठिन और जोखिम भरा था, जिसमें जरा-सी चूक जानलेवा साबित हो सकती थी। यद्यपि ऐसा करने के पीछे एक ओर उसमें जिम्मेदारी का भाव था, तो दूसरी ओर भाई से पिटने का भय परंतु उसने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास, धैर्य, विपरीत परिस्थितियों में बुद्धिमानी से काम करने की कला के कारण वह मौत के मुँह से चिट्ठियाँ उठा लिया और मौत को ठेंगा दिखा दिया। इस घटना से हमें यह सीख भी मिलती है कि ऐसी घटनाओं को हमें प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए और ऐसा कार्य करने से पहले अपने से बड़ों की राय-सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि हम किसी अनहोनी का शिकार न बनें। **ii)** उनाकोटी का अर्थ है-एक कोटी अर्थात् एक करोड़ से एक कम। इस स्थान पर भगवान शिव की एक करोड़ से एक कम मूर्तियाँ हैं। इतनी अधिक मूर्तियाँ एक ही स्थान पर होने के कारण यह स्थाने प्रसिद्ध है। स्थानीय आदिवासियों के अनुसार कल्लू कुम्हार ने ही उनाकोटी की शिव मूर्तियों का निर्माण किया है। वह शिव का भक्त था। वह उनके साथ कैलाश पर्वत पर जाना चाहता था। भगवान शिव ने शर्त रखी कि वह एक रात में एक करोड़ शिव मूर्तियों का निर्माण करे। सुबह होने पर एक मूर्ति कम निकली। इस प्रकार शिव ने उसे वहीं छोड़ दिया। इसी मान्यता के कारण कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से जुड़ गया। **iii)** लेखक पुरानी पुस्तकें खरीदकर पढ़ता और उन्हें बेचकर अगली कक्षा की पुरानी पुस्तकें खरीदता। ऐसे ही एक बार उसके पास दो रुपए बच गए। माँ की आज्ञा से वह देवदास फ़िल्म देखने गया। शो छूटने में देर होने के कारण वह पुस्तकों की दुकान पर चला गया। वहाँ देवदास पुस्तक देखी। उसने डेढ़ रुपए में फ़िल्म देखने के बजाए दस आने में पुस्तक खरीदकर बचे पैसे माँ को दे दिए। इस प्रकार लेखक ने पुस्तकालय हेतु पहली पुस्तक खरीदी।	4+4	8
14.	15.	अनुच्छेद लेखन- विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता।	1x5	5
15.	14.	पत्र लेखन- विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता।	1x5	5
16.	17.	चित्र वर्णन- रचनात्मक शक्ति का प्रयोग, सृजनात्मक क्षमता का प्रदर्शन,विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता।	1x5	5
17.	16.	संवाद लेखन- छात्रों द्वारा अपनी सृजनात्मक क्षमता का प्रदर्शन व विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता।	1x5	5